



॥ ॥ उमचूकवयिया सुचकचूक अलिगल रुचूवचूकवयिया श्वकवावादी
 अलिगलसैवलचूकवयिया ॥ ॥ कृतिमैविचवावचूकसंजहिंजहिं गहिं गहिं
 अरुणीमचूकन १ अनुरुसंसेदव वजवाउलदवी मित्रंगिवयनसंकाव ॥ ॥
 विमुचनगुक्क एकवायगवाठा विमुचनगुक्क एकवीयविवा १ विनीयवनः
 नव नागचमैयसात्रिल रुलियाउवकाकावा ॥ ॥ अदिनिसेसगुचूवाचगु
 वाग्ध कादिगलरावशूरावा १ जलम मचलरायवंधनकादिगल रायमावः

॥ नकवचूक ॥ अगियसंकाव ॥ ॥ ० ॥ १ नागनाट ॥ वकवचलनिनी लायनसंदविअरु
 नदनीगुजापुचवचकिचरु ॥ ॥ उक्कादवीवाचूनी मामकिदवी १ जगयमाका
 दिवमयलसवाय ॥ ॥ आगमवेदयू वानवचान आगधवमदि कागुचूड
 यदस्य ॥ ॥ यैचवद्व स्वचूयजगुक्क १ सयचआगिनीमाय रुचूवगुचूव ॥ ॥
 सगगुचूवचसिल्यगतधत्रिया १ गनयिवाकवज सूनामचूयि ॥ ० ॥ १ ॥ १ नागना
 ववि ॥ नमरुमकाचूक चूयध १ १ स्वकदिमसुवदसूधव ॥ ॥ गनाहं १ गनागनाहं

॥ प्रियंका ॥

हैं हैं ॥ वंद्या आर्त्तिंगल आगधवृश्वजघण्टमदाधवू ॥ ॥ धवनसुसंघुल दहधव
२ सनदसुसाहियचन्द्रमवू ॥ ॥ मोया आदरुलिनजंगुशहाहियचक्रवृलसत्यमह
॥ ५१ ॥ ७३ ॥ १ नागधुंगमवसि ॥ विवक्रववविसिनिमधुलमाभ्य धितिआनन्दमू
वृगिधवाश्वक्रवावाही आर्त्तिंगलसंवव नानावसिमहाजावा ॥ ॥ गनाहैं हैं
हैं १ गनाहैं हैं ॥ ॥ नीववर्षु चक्रवकुचमिमुखविनगा वनमा आनंदमूवगिधवा
२ विश्ववक्र अर्धचतु जगमकुट्ठाव हाहु आगवहासुसाहिगा ॥ ॥ वक्रचण्डगः

॥ जगदआगन ॥

अवम उमवृखदोंग विवमानन्दमूवगिधवाश्वक्रवतिकयाव यवसुमाह विष्टववः
क्रुगिधवा वाघुधर्मकरिवाहिगा ॥ ॥ दिगोविदिगकाकाग्नादि जमदाकितीद
वी सहजानन्दमूवगिधवाश्व ननामि २ श्रीचक्रसंवावा सगसुवृचवहा आवाधिगा ॥ ५ ॥
॥ ५१ ॥ १ नागरुहि ॥ हाहु आगवहा कियायिधसंवल धवयिकवालि ववसाशु
क्रवाधंग मंठिवसुसात मकुटकलादिगंववा ॥ ॥ वववसावृव संवववाया सम
लसंदलिमावृकावाश्व रुमविवाहिय वक्रवावाही रुदमहिसावा ॥ ॥ सातिगा

॥ प्रह्लाद ॥

यत्नवर्गं गुरुमयत्नं कथं स्वयं गीतं वृत्तं गगननिवावर्तुं वंदितं आज्ञा मयूं मंजुल
रत्नलिता ॥ ॥ प्रियं धवला गवः सुदिग्गवर्गं वयं ययि मयि हृन्मयरावा २ रुमविया
हिन वज्रवावाही उक्तविनूदममि अन्धवा ॥ ॥ गवन्कि विलावर्तु वज्रजालि
यावृत्तं मगगुत्तुत्तं वज्रजालि २ रुमया आनंदं रुलिगलमद्युल्लं सवयवज्रवावा
ही ॥ ३ ॥ ध्रु ॥ ० ॥ १२ ॥ गवर्गं ॥ विदितं वा ययि यागिनी ददकवात्री २ रुमल
कूलिसदृशि कवर्गं वयं ॥ ॥ आगिनी उक्तविनूदममि अन्धवा ॥ ॥ वज्रवावाही आति

॥ वज्रवावाही ॥

नामूरु वृद्धिया व क म व र्गं ययि वयि ॥ ॥ कथं आगिनी लयत जायि २ रुमलिकूलः
वहिया व उाठिया न समानं ॥ ॥ सा सुगवा व घानि कावा व २ रुमलिकूलः
नरवा ॥ ॥ गनयिगल जावि रुम कं दूव विव २ रुमयना ठिमा ॥ ॥ उरय सवय
॥ ३ ॥ ध्रु ॥ ० ॥ १२ ॥ गवर्गं ॥ विदितं वा ययि यागिनी ददकवात्री २ रुमल
असुवगल उवत रुकु कवर्गं उवत रुकु कवर्गं ॥ ॥ ना व व न मा मि ध्री सी
वव विना २ रुमल आगिनी वानि व मा स व स धृं ग व ॥ ॥ वज्रवावाही आति

॥वक्रिर्क०॥

महाकं० १४२ कृगिर्सेवित्रविश्वं स मलमंगली ॥ ॥ ग्वकृदहन विमलमंगली ॥
सुशक्तकं० १ कृवृषावृषायायन लायनविशक्तं ॥ ॥ द्वादशजुजधावि चाविः
चवृवृदतं० नीलमंदाव गयनयुशनीना ॥ ॥ ५२ ॥ १२ गम्वपुत्री ॥ चक्रिर्क
उलकथिलाचक म वनरुषिग यीवपुषु नवगिलमाया १ सवचक्रिचक्रि लेयागः
स्मादिरुषिग गगलमावि वंधुविनाया ॥ ॥ ययुससिहवृवद भावकावा इत्य
नाथपीसंववनाया ॥ ॥ वक्रक वाटक लायधविना कथयिआ उखद्वोम १ स

॥उदिगा०॥

कृगजागिनाक मलविहसिंगल महासुखमविषसाद ॥ ॥ वक्रवावासा आलिग
नसेवव नाययिबदू विहसिंगलाकलिकाल प्रयाकिदकिहवृव अर्द्धयुवकलन
सीलाव ॥ ॥ सरुजसीवसि प्रया गावन्कि कर्तुया कृवृवचदय साद १ युल्लालि
गल कीदकिहवृव विनासयिसून्यकपूला ॥ ॥ ५३ ॥ १२ गविशास ॥ उदि
नागललेया यवनदूना १ वनसूदामक कावसवगा ॥ ॥ द्वादशवरायनिर्से
गविगा १ अखयति वंजनमाक कगा ॥ ॥ दितकवमधुल मल्लगना १ कवृषा मृग

॥ जयवाकलि ॥

वसु मध्वक्षणा ॥ ॥ दग्धालिंशवप्रतिनिर्गता ॥ १ दग्धासुतनसित्यनमिगा ॥ ॥
नमद्विगियवन ययिगुप्रगता ॥ १ वज्रवावाही दुक्कसित्रीनमिगा ॥ ५ ॥ ७ ॥ ॥ स्वाम
मध्वमग ॥ जयवाकलि रुद्रवघलन ॥ १ मयलसुवासुव जगताडक्षीन ॥ ॥ गुरग
वगियादक मतमयमधुल नोयुप्रवृत्तनकावा ॥ १ रुद्रमहाल आ रावणविशुधित
मखल घंष्टुडलाला गिहिश्रियिगयनि गिनिगिहिनयना ॥ ॥ कलनिकयालः
पीवप्रुदतवहिनमाला ॥ १ कृषखदीगवप्र मकूटकाणा ॥ ॥ निवससिध्वन कऊ

॥ गजजिन ॥

लकुला ॥ १ कमुत्रिकयूव र्गवालमखसाद ॥ ॥ गतयिगूलगवक वाकलिदासा ॥
धीवज्रदवायसाद रुद्रवयाया ॥ ५ ॥ ७ ॥ ॥ १ वागशेववि ॥ गजजिनडक्षदार्थध
विश कनलकुविग अर्द्धवालि ॥ १ उमप्रुकवनि कथाप्रशिष्टला वामखदीगकयाल
धनाया ॥ ॥ धीसंवववाया वाकलि रुद्रजंगुविह ॥ १ मावयिप्रचाययियावमाया
सासुगअवमूदविना ॥ ॥ यागवृक्षमूदवाममहा ॥ १ धायया वनवसिप्रमावा
१ नीलरुलीग बाहिरकधुका ॥ १ वण चद्रमुख अगिदिकवावधना ॥ ॥ अलिर

॥ नमो भगवते ॥

पथो नमो वचाय यियाय कालिनाय विंमूडा २ विश्वकूलिम् अर्धचंद्रजयाशन व्यास
पुत्रसख उमदा ॥ ॥ सुनिर्मलवित्रवित्रव्यागीनिचक्र महावित्रवित्रा २ कपूतः
शृंगमयवित्रवित्रव्यव रंजयिम् यत्रसंसावर्द्धना ॥ धा ॥ ७ ॥ रनागरीविनाममा
मिश्रजिनकाकुकर्यदकचकुल मुनितिआलिनिगा २ यत्र हानयं चक्रादुसूत्रयावृद्धव
नमो नमो यथा ॥ ॥ गंताहं गंताहं जगत्संसावर्द्धविद्यामनाहव नमो मुशर्य
चजिनन्धवा २ यंच हानयं चक्रादुसूत्रयावृद्धधर्म आनयथा ॥ ॥ नमामि शशीसाकि

॥ प्रदत्तकामना ॥

युवध्वज अक्षिसिद्धिदयदायिन २ दूत्रिताहवत् सर्वपापखर्यकवदानयुक्तवत्सा
कपुदा ॥ ॥ नमामि श्वर्माधुवागीध्वज यातुलदुवात्रयविमलिगा २ यातुलगा
वत् पुनापुनकायासवृद्धयविमलिगा ॥ ॥ नमामि श्वर्माधुवागीध्वज मलुल यद्मगिः
नीनिवासिगा २ सत्वविमारुग दुःखविनाशन पुष्टमामिजिनयकन्या ॥ धा ॥ १० ॥
रनागरी ॥ विदलकमलवन कसुमसयवंग मधुकवदुवरीणा २ श्रीविपूपाक
यखगमुखदयी मदनयालय व्यापेता ॥ ॥ नमामि नयात्मा प्रियवनमागावक

वादवी श्रीमृगसुल २ सयलसूत्रासूत्र वन्दितावत्र (६) अन्नगसाक्षिसिद्धि वः
 नृपसादा ॥ ॥ नंदनवमिव चंदनगन्ध अन्नगकुसुमयातिजागवन्न २ः
 निलीगंगासम वागमनिनील अन्नगगिथेयुक्तयन ॥ ॥ अक्षरोवत्र अक्ष
 यागिनीदवी अन्नगदवासूत्रक गपाल २ अक्षमहाशय दूलिगनिलनिलवान्
 व अन्नगविघ्ननिलवान् ॥ ॥ विश्वविद्यायित गात्रनिदवी अक्षयनि
 वंजन यागिसय २ अतिमंगल सुखरुलदायनीदवी जलमजलमभाबुद्ध

॥ वासव ॥

॥ वासव ॥

यायनवला ॥ ७ ॥ ॥ १ वागवत्र ॥ वासवयवत्र दहिनकवगिशमा
 यवत्रउत्रमंडमालगुषित ॥ ॥ नात्रयिचकजगिय वद्रजागिनी २ गिनि
 नयदवी प्रियुवनयमिसा ॥ ॥ कालमृत्पदयि यागवर्षधिया २ वागद्वयः
 भारु कलगिनकुदिता ॥ ॥ धूलशूक्तमानि वंजनदवी २ गून्यायागदवी शू
 न्यलुगाव ॥ ॥ शृष्टिसंज्ञावृणी कवृक्षकदवी २ मात्कमार्गगुक्तमविज जन
 ती ॥ ७ ॥ ॥ १ वागमाली ॥ वजिधालिवावगावि वंदावि २ सिधि

व१ षोडश आगिनी समवसंशाव ॥ ध१ ॥ ७ ॥ श्रान्तमादि ॥ यैवतका
 ना धाविनमोति यैवतका नयका मूया शवला शनवतिवमाला यैवतका

॥ पदधान ॥

घुघुर्ककहि रुधिरवसनना ॥ ॥ हूं हूं हूं कावरीजावदना स्ववलीवादलनी
 लसमदलाश्वाधिवसनी मलाकालाशयवामृगवस दय्यगुयवयिया शीय
 नवद्वकयावधना ॥ ॥ वक्रवधुना गिलिनयना धावरायंकल शीघमवद
 नाशुद्धयजालिगा यिंगवकसा उतमनुरसा कवूषमय ॥ ॥ कवगिकः
 पावाधिवनषट्वांग नागवल्लयनाग कुलुललावाशनागसिधसिधव नीयुवः
 नाग अरुनाग अरुवदससागा ॥ ॥ जितवमाली धालिनमगा वृक्षसासन

॥ एकवदन ॥

सा नन्दकविनाशयगावृक्षा गान्धवरावा सा शुभकूलिमा अनुरक्तमनसा ॥
॥ ५२ ॥ रागमलाद ॥ एकवदनवत्तमकूट आलङ्काराश्चतुष्टयप्रय
रुकरुकरावधनूकालि ॥ नमामिर्मिश्रीयन्नृपेभ्यः सव आसाम
विष्णुनयुडधविद्या ॥ दहिनश्रीगलयनि वामश्रीमलाकांठ ॥ सगलमलुम
लमायां शुक्ललिगाथिगा ॥ ॥ हृदि सैकलवाया विन्धविद्यायिता ॥ अरुणय
वहवाधि दूत्रिगारुवला ॥ ॥ वज्रध्वजमादिन दासहनयिया ॥ गुणवत्त

॥ रागमलाद ॥

मात्रसिद्धिवत्प्रसादागा ॥ ५२ ॥ ७ ॥ रागवलादि ॥ लगलगराथभावामलु
लवा काटिराथगावदराशदकाटिराथगावा यागिनी हन्दयाव वाकचिगकनः
रावा ॥ ॥ हं हं कटमलुलला रुलिनाय आगिनी हन्दयाव शवदधमभव्रीका ॥
आलिगल वाकसकलसमाया ॥ ॥ पूर्वचक्रचिद्रियाव दक्षिणवत्तकलियाव
शयन्धिमयद्र प्रकासव उक्तवत्तमधविद्याव ॥ ॥ सैपुनयागरना आ निमिय
वत्तकगलि ॥ कायवाकचिर्लमलुलला रुलियाव गगलकुरु ॥ ॥ वृषसव

॥ महाकाव्य ॥

१ जगद्विवादिग वप्ररुलदायकं ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ श्यामधनाधि ॥ सवाकांगाम
हासस्वकविद्या चउ आनंदकलायि १ प्रिभुवनरुलसि महासुखयाया जाजाचय
सूर्यदृशिभक्ति ॥ ॥ नयायविना प्रिभुवन एकसवृथी १ सर्वविकल्पविधंनः
दवी अनुरूपरुलदायनि ॥ ॥ अमितागमधुल उदयावधिति कल्या
नवमिववृथिनि १ कत्रगिकयाल स्वष्टांगकावि यल्लालनवप्रदायनि ॥ ॥ दिगं
वमा मकूटकंगा वकि कुंठलकादिधुधलि १ वाचकमखन यायनक्षत्र गीवमधुल

॥ महाकाव्य ॥

मप्रसिद्धमाला ॥ ॥ सर्वगधगजननिदवी विवादिगशाव अशावा १ शीवः
कजागिनी निव्यगगधविद्या गवक्ति समप्रसवजा ॥ ६३ ॥ ७ ॥ १ श्यामधना
धि ॥ कालायिवधियावाला मूर्धनिवककाला १ घनकथाथिहामिवजया क
वृत्तिकियावूनलाला ॥ ॥ मलयजकुंदवृवजयि दिधिमातायिन वजयि ॥
॥ गरिंश्वरुवाजनग १ मयनायिवनयायि १ लावाकालजनयुहाया इंदुवृवज
नयायि ॥ ॥ यद्वसमकमुलिसिक्ता कपूलावनयायि १ मयजकुंदनसा

॥विषयविषय॥

न गहिरा नखाजन यायि॥ ॥धुषूनकृष्णकवंग साधसाधनमूनयि २नाः
लीसद अंगचन्द्राव गहिरा नखाजन यायि॥ ७ ॥ ध्र ॥ १वागलविग ॥ विषय
विषयविनून यवनसी आग आलयिचंदाविनि नाशिकमल २दहिनजिनवि
वूमसि उत्रयिसूनगजिम शिखिआरासमय स्यामसयव ॥ ॥ नममंशुधाषः
कालवक्रव रुवक्रसीवनविषयमं २ ययिधदूमसीआग संगवमवनिधया सरु
जआनंदमय ग्यानवृषं ॥ ॥ वक्रययकेसग कंकुमवृषानन नामसंगीति

॥अनपदम॥

अकाशध्यानं २जगत्तदस्वनासन वाधिरुलदायकं आगममहत्वावहियं
॥ ॥ गुपुवायदृष्टविद्या अक्षयवनकुंचिय मनिमकुटवन्दु उगातिधविषा
२ववुचक्रपादत लीनयत्रमंशुव सूर्यरुममाव वावदुरुवनं ॥ ॥ स्वप्ना
यामहर्ग रात्रयविशावन वृद्धधमसंघ सत्रनागमिषा २ गुपुचवहासिचंधविषा
गावकिमूवगवज जलजलमाववृद्धमवनं ॥ ध्र ॥ ७ ॥ १वागललिग ॥
अनपदम ग्रीमंशकुमाला २गसधवकिवहासंकासनदहा ॥ ॥ दवधीमं

॥ पुष्पवन्धन ॥

शुभाष्टुवद्यादिना २ पिषुषेर्मेवदहितकवधवि ॥ ॥ वामपुरुकधवसुव
गुनुनाया २ यद्यप्यगासनंकोननदहा ॥ ॥ दहितवामकवधनूधवधवि २
वहुवमानदयेवामपुष्पादा ॥ ॥ जगन्नाथयाधनाथयमादिगदया २ ज
शि सीयसुखरुलवपुष्पादा ॥ ५३ ॥ ७ ॥ ॥ रागरीवती ॥ पूर्ववक्तायनरुस
मात्रशकमकवर्धुमृकसुपक्षवि २ ॥ लनमाहस्वविष्टववाहानचतुध
चतुधववपिगूलमयुवधन ॥ ॥ हं हं अरुणमध्वाननिववाहस

दिना अरुणरीववगलयनिसदिना २ अरुमक्षि ममवगमानुयदागास
मवन्नययायनयहवना ॥ ॥ यन्मि मळुदायनी रुक्मिवाहानकंकम
वर्धुविजयिरुक्ता २ दक्षिणवावाहि घनघावपुयि अंकुगसदिना कदि
वावृणा ॥ ॥ ॐ नमो नन्दिकादवी अमवर्धु कलिदधुवगाउ दमवृम
दिना २ अरुनादेशकोमावी मयूलवाहानवक्रवाकावर्धु लक्ष्मी ॥ ॥
नमस्तुवद्विदवी गवृउवाहान उदचक्रसदिना मयूलधवि २ वायुववाः

॥ ॐ नमो भगवते ॥

मंदायत्री कंकालगविद्या सिंहवाहन स्वप्नधावि॥ ॥ अष्टकुलनागम
धानियादिना कृष्णालनचन्द्रमण्डिनी शुद्धमामिद्वीपी यादशुचि यावत्
रुग्निमग्निजङ्ग सिद्धिकवज ॥ ५३ ॥ ७ ॥ १२ नागनामकी ॥ हूं हूं द हूं
पुं सी सावतवृश्चंदाविंगल योगधनु ॥ ॥ रुद्रकुम्भगना हूं गं नातग
हूं ॥ ॥ सूत्रव्यवधिगचवलाधयुक्तासुमविभयद द हूं ॥ ॥ ग
वाविसकटविहीष मुहगुहकटायावत् नम हूं नम हूं रुद्रकुम्भगुहः

॥ ह्रस्व ॥

यषयी॥ ध्रु ॥ ७ ॥ रवागविशास॥ द्विशुभप्रकमुखप्रकावदभश्न
 गनमकुटकंठविनिवाचना॥ ॥ नभादवीवृद्धाकिनीविन्धजननी
 शशीशुवनव्याधिगजिनगम्भानदायनी॥ ॥ दहिनकप्रगिवद्विलासि
 गदधमिश्रामकपाठकचयुर्माप्रशुधिवयि॥ ॥ गवृक्षिमशुलमाभ्युडा
 दिशाप्रगमस्तप्रत्ननयुववयसगगथायुवणी॥ ॥ श्रीविश्राधप्रिद्वी
 मूननप्रमहिगाश्मकप्रमद्विदिद्विद्विद्विममागा॥ ध्रु ॥ ॐ ॥ रवागकाना

॥ अथ निविद्याया

द ॥ अथ निविद्याया वामजात सर्वस्वम किलनामा वसंतामाश्वासकवधवग
जनिद्यासा पिशुवनताया अचलविला ॥ ॥ नमामि श्री चतुमहालाखला ॥
जागमृष्ट कृदिता श्विन्वनाथविन्ववायिग विलविकमहाकाधनाया नमामि श्री
चतुमहालाखला ॥ ॥ माधवसाया यन्त्रद्वयवक्ता वृद्धिमायायादरावला
श्मत्तलसमायालागविमारा ज्ञातसंमोवि गऊनिमदा ॥ ॥ अतिशयनाः
मा उग्रयवदा दृष्टकला ल ककलनयना शिपिदिगप्रधना दूष्टकिनलावलि

॥ श्रीमद्गनाथ ॥

संज्ञाता लाखदूगवता ॥ ॥ वलारावला यदालिगमोवि कयवनयुव दूमा
दूनकायाश्चतनवनागु वीदिगववला लायगुधगगअचलविला ॥ ॥ ७ ॥
१ नागकलुदि ॥ श्रीमंशनाथचलमहा चिनविज योश्चन्दहासस्वमना
गवाप्तदकृद ॥ ॥ नमामिनमामि श्री विमंशकुमालाश्चगदिस्वव
जगगगुपुपुवनयायिगा ॥ ॥ यूसकधवंगुरयवमगुपुनायाश्
धीधमंक्षायुक्कानयालमगुलनंछना ॥ ॥ जगगनाथजगगनीवज

॥ जिनवलजगनि ॥

कलयिवजानव, आरुगिकलिया ॥ ॥ यल्लाघुडयायिववजीरवविग
तिवापीव, आचार्यकविश्या ॥ ॥ कर्णुवावंग, अखनवहामर वायुसंकाव
धिवदियसंशारग ॥ ध ॥ ॥ २ वागवसंग ॥ जिनवलजगनि, युगाम्ब
वत्रमहिश्चिल्लासयिसमवसंदंदाविंगल ॥ ॥ नीलंसूरुसुत्रय, शृंगमा
संपूर्ण ॥ मालिगल, आनन्दनयन ॥ ॥ वायसंशारग, गयलधा
यमयन ॥ वागविनागदूयिमायानिषर्ण ॥ ॥ अत्रजकुलिगसंजा

॥ गजमुख ॥

गविशुषल ॥ सुत्रवत्रयमुखदंदालिगल ॥ ॥ दहदिहनुवन, ग्रीजा
मंवेव ॥ पुलामाभिल्लानध्वनी, आलिगल ॥ ध ॥ ॥ वागधनाष्टी ॥
गजमुखग्रीवयनि, गौदवपदव, नृणाधियगिगरलध्वना ॥ मनिमुकुन, व
लागवरल, गत्रनकित्रलसंकासा ॥ ॥ मालियाविघ्न, मालियादय, मा
लियादूषविनासतं ॥ मालियामाल, मालसंगल, भूयददूखनागिगा ॥
॥ ॥ पर्णवातकुलवज्रखम, रिंगालालदहिनकला ॥ मूगवधन, खद्वी

गङ्गाविस्वयल कनयुवाम् ॥ ॥ विविधवक्रकवृत्त कलिव जगद्ग
मलिमलिगा २ वंदादधुग वंदादल सा रा या यत्र विमिदि मी वा जि ता ॥

॥ वलादलधुग वलाजालिग मुखिक मुख अगि सैद ला २ दिमादलाग
महषदा गा नममनम गङ्गाधियनि ॥ ६ ॥ ॥ वागधनाथी ॥ अ
सिधुद वंदादल ददगामनि धुगकलकवगिक यात्रध ना २ अष्टमीषल अष्टनाग
गवरा ॥ उद्धयिगवक गदगर्न ॥ ॥ काधजमालिया २ गांदवप्रद अशिला

॥ अमिधुग

वर्णदला वक्रवर्णमाहाकला ॥ ॥ वलागवरा विर विगदला घघवना
दमनाहवथा २ ककयागिनीवत्र नीवासिगगलयनि विविधधम निधियूः
निगा ॥ १० ॥ जस २ मोदुगलयनि गवरा अशिमगमुखरुलदायका २
सगगुत्रववरा सिलंगगधविगा गवकि सरुजा नन्द गीगा ॥ ६ ॥ ॥
वागगादि ॥ अष्टवलाविं सग यमदलमाय हंवीजस धाद्वधमाधदला २
नीलरुविग वक्रवर्णदला सफादगमिल एकयंवा सनया ॥ ॥ नमानिअ

॥ अष्टवलादि ॥

लिङादि महासंवना शब्दवाला हि सत्य गा कवूषा मधरा ॥ ॥ शीषमड्ड
 मूष, रंगसंनिता श्विष्ववजा ह्रस्वगण कद्विगुजा ॥ ॥ यथमनुजवज
 ह्रस्वकनामा, षट्तिंसावदाकिनी, वज्रदाकालि श्विगिय अकाशवायुमदनारु
 किंनरियागिनी श्रवाकाका ॥ ॥ हनी यड्डन अग्निबाल, ज्ञानदवी शनीह
 दकहलकलादिधृता ॥ ॥ चतुत्रस चतुर्थेय, कायवाकचिर्क श्रुष्टंशीला
 धृग, चतुर्गगनाथ ॥ ॥ चतुत्रस, चतुर्वन सहस्रवाधिसत्वष्टग, द्वात्रिषाद

॥ प्रमदिग ॥

ग द्वाष्टिंशग, गमगता श्वाकालमलुल यदकिना, गुव्यादगिल्यां धृग, उंका
 लवजा ॥ ॥ धृ ॥ ॥ वागमधूमन् ॥ प्रमदिगदिदग, रुमिगुगुवि
 समभद्रमलुल संक्लिग वयुन, श्वादग, गुजचववदनससागा, वज्रवावाहिक
 रगु अलिङ्गीगा ॥ ॥ ह्रस्वदहदिह रुलन मावसयवसमवाधियात्र श्वादा
 लिङ्गग अहयसैराव, नाययिदान्ती संवनाया ॥ ॥ कुलिग घगुगज
 चर्म, विगुल, कर्किणमद्रुगुगसाशिगा श्मर्जयुविगकयाल खद्वांग, पागयल

॥ इति निरुपन ॥
॥ इति निरुपन ॥

॥ वक्रनिर्गंधना ॥ ॥ यैवजिनवचमकूटश्रृंगकुगा षष्पुद्राश्रुगवण
विमुषिगा २ अलिकालिद्रुयि श्रुलीटयाययि व्याघ्रवर्मनिवोसिगे रुषु
गनू ॥ ॥ ध्रु ॥ ॥ नागलगा ॥ ॥ द्विविनिस्तनवच विनामयि
कयि ॥ १३० रुनादा मंदलवाया ॥ ॥ रुजकामवजगग निवासि
या १३५ धरादा मंदलवाया ॥ ॥ अमिय अमिय निर्लजनधरा २
सदजसंदवि या जिनहू वययि ॥ ॥ उचवूजानिनी एलमवा २

॥ इति निरुपन ॥
॥ इति निरुपन ॥

वधावावाहि अलिंगनकाल ॥ ॥ ३० रुनादा कवूदा कवालि २ ज
यंडयं अलिंगननालावर्गुवारु ॥ ॥ ०६०३ ॥ ॥ ३ नम
॥ नाग ॥ वरुललिग ॥ ३ नमस्तननं गालि क तनूसा १००० निल दू
मिथिभलकसा ॥ ॥ रुगगन कं रुक्या पुनदवि २ दूखे माल वि
नासनिदवि ॥ ॥ लकनयन विनि नीदमाला २ खर्म कलति कया
जनिनात्य ॥ ॥ व्याघ्रयनमकुं दे यथा निरा २ खर्वन न्यादन ॥